व्हाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 09 | शनिवार 4 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान एवं विद्यालयों के मध्य एमओयू

प्रदेश में बनेंगे चार और डेल्फिक क्लब, कला एवं संस्कृति के लिये युवाओं को मिलेगा जीवंत मंच

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश में कला और संस्कृति को बढावा देने के लिए डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान एवं चार विद्यालयों के मध्य शुक्रवार को एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने बताया कि डेल्फिक आन्दोलन से छः डेल्फिक कलाओं (शास्त्रीय संगीत, भारतीय फिल्म संगीत, लोकप्रिय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, समकालीन नृत्य, फोटोग्राफी) के प्रति युवाओं की भागीदारी को बढाने के उद्देश्य से एमओयू पर हस्ताक्षर किए गये है। इससे प्रदेश में डेल्फिक आन्दोलन को गति मिलेगी। और छात्रों को कला व संस्कृति के प्रदर्शन के लिए एक मंच मिल सकेगा। गुहा ने बताया कि डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान भारतीय डेल्फिक काउंसिल और इंटरनेशनल डेल्फिक काउंसिल का एक हिस्सा है, जो युवाओं को अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करने कि दिशा में कार्य कर रही है, काउंसिल द्वारा इन विद्यालयों के साथ वार्षिक कैलेंडर तैयार कर डेल्फिक गेम्स का आयोजन किया जावेगा। उन्होने इसके लिए विद्यालयों स्तर पर नोडल अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान की तरफ से काउंसिल के महासचिव जितेन्द्र कुमार सोनी (आई.ए.एस.) ने एवं द पैलेस स्कूल जयपुर, गवर्नमेन्ट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल किशनगढ, दिल्ली पब्लिक स्कूल और विद्याश्रम स्कूल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान के सदस्य सुकीर्ति शर्मा, मोनाली सेन (आईएफएस), सुशिप्रा शर्मा, आरएएस (कोषाध्यक्ष), नवीन त्रिपाठी, राहुल सूद, शुवंकर विश्वास, सुशबाना डागर, डॉ. दिनेश कुमार राणा एवं विद्यालयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राजकुमार राव बोले-एक्टर बनने बाइक पर मुंबई पहुंचा था

कहा- दो साल तक मेरे पास कुछ भी नहीं था, मैंने सोच लिया था एक्टिंग ही करूंगा

जयपुर. कासं। जयपुर में शुक्रवार को **दैनिक भास्कर और विद्यासागर इंस्टीट्यूट** ने राज्य के सबसे बड़े एजुकेशन फेयर की शुरूआत की। इसमें एक्टर राजकुमार राव और बिजनेसमैन श्रीकांत बोला शामिल हुए। गौरतलब है कि श्रीकांत बोला के जीवन पर आधारित फिल्म 'श्रीकांत' में राजकुमार राव श्रीकांत बोला का किरदार निभा रहे हैं। इस दौरान राजकुमार राव ने स्टूडेंट्स के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा- एक एक्टर की लाइफ जीना इतना आसन भी नहीं है। इसके पीछे बहुत ही मेहनत लगती है। उन्होंने कहा- लोगों को दिखता है, क्या लाइफ है। क्या लग्जरी है। हकीकत में बहुत सारी लिमिटेशन होती है। बहुत सारे चैलेंज हमारे साथ चलते हैं। खुद को फिट रखना होता है। ये नहीं खाना, वो नहीं खाना। ये नहीं करना, वो नहीं करना। फिर भी मै अपने काम को बहुत इंजॉय करता हूं। क्योंकि ये मेरा पसंद का काम है। उन्होंने कहा- मैं स्कूल के दिनों से एक्टर बनने का सपना देखा करता था। मैंने अपनी शुरूआत थिएटर से की। मुझे आज भी याद है। मैं पुणे से बाइक पर मुंबई एक्टर बनने चला आया था। दो साल तक मेरे पास कुछ भी नहीं था। मैंने सोच लिया था एक्टिंग ही करूंगा।

भाजपा युवा मोर्चा का 'एक परिंडा मेरा भी' अभियान

जयपुर. कासं

गर्मियां शुरू होते ही प्रदेश में इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों के लिए भी पानी की मांग बढ़ जाती हैं। लेकिन पानी नहीं मिलने से कई पशु-पक्षी दम तोड़ देते हैं। इसे देखते हुए भाजपा युवा मोर्चा ने प्रदेश में 'एक परिंडा मेरा भी' अभियान की शुरूआत की हैं। 15 दिन तक चलने वाले इस अभियान में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता प्रदेशभर में पक्षियों के लिए 1 लाख परिंडे और पशुओं के लिए करीब 1 हजार पानी की टंकी लगाएंगे। अभियान की शुरूआत जयपुर से युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची ने की। आज उन्होने सी-स्कीम स्थित अशोक विहार बाल उद्यान में जयपुर शहर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ करीब दो दर्जन परिंडे लगाए। उन्होने कहा कि 17 मई तक चलने वाले इस अभियान में गैर सामाजिक संस्थाओं (एनजीओ) सामाजिक संस्थाओं, धार्मिक समितियां और इन्फ्लुएंसरों को जोड़ कर सभी की जिम्मेदारी तय की गई है।

ढूँढाड़ी भाषा की पुस्तक "देवरां को उजास" का विमोचन

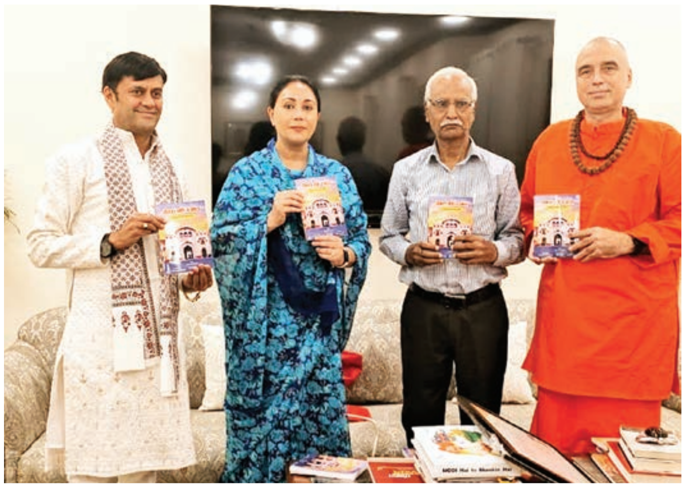

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर रियासत के मंदिरों का इतिहास श्री कल्याण सिंह शेखावत लिखित ढूँढाड़ी भाषा की पुस्तक ''देवरां को उजास'' का विमोचन राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महामंडलेश्वर ज्ञानेश्वर पुरी के सानिध्य में हुआ। पुस्तक का प्रकाशन विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान ने किया है। समारोह में प्रबंध संपादक कपिल अग्रवाल ने बताया कि प्रधान सम्पादक स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी तथा सम्पादक अंजना शर्मा ने रियासत कालीन मंदिरों के इस इतिहास को प्रकाशित कराने में महत्त्वपूर्ण सहयोग दिया। शोध संस्थान भारतीय संस्कृति के संरक्षण संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, जिससे जन मानस को नवीन जानकारी मिलती रहे। ग्रंथ के लेखक शेखावत ने यह ग्रंथ जयपुर के हृदय में रची बसी ढूँढाड़ी भाषा में यह कार्य कर विरासत को संरक्षण प्रदान करने की दिशा के इस कार्य के लिए उपमुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में ऐसे कार्य किये जाने पर बल दिया।

जैन मिलन महिला विहर्ष माधोगंज का शपथग्रहण व सम्मान समारोह संपन्न हुआ

ग्वालियर (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन क्रमांक 2 के स्थापना दिवस के अवसर पर शाखा की शपथग्रहण व सम्मान समारोह संपन्न हुआ। भगवान महावीर के 2550 वा निर्वाण वर्ष महोत्सव भी मनाया गया। इस अवसर पर जैन मिलन की वीरांगना बहिनो ने गेम्स व हाऊजी खेली नवीन पदाधिकारियों व नवीन सद्स्य को शपथ दिलाई। जैन मिलन महिला विहर्ष की सभी वीरांगना बहनों का सहयोग मिला। इसमें मुख़्य रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अति वीरांगना शीला जैन जी,राष्ट्रीय सयुंक्त मंत्री अति वीर राजेश जैन जी क्षेत्रीय अध्यक्ष वीरांगना अनीता जैन जी क्षेत्रीय मंत्री अति वीर महेंद्र जैन जी, क्षेत्रीय उप मंत्री वीरांगना अंजली जैन जी ग्रुप ए की संयोजिका वीरांगना प्रीती जैन, राष्ट्रीय सद्स्य वीरांगना लता जैन जी शामिल रही। अध्यक्ष वीरांगना ममता जैन, सचिव वीरांगना सरोज जैन, कोषाध्यक्ष वीरांगना दीपा जैन, उपाध्यक्ष ललिता जैन ,सहसचिव वीरांगना सोनम जैन, सह कोषाध्यक्ष वीरांगना संगीता जैन, सांस्कृतिक मंत्री वीरांगना नीलम जैन, प्रचार मंत्री वीरांगना रेखा जैन, को नवीन कार्यकारणी में चुना गया। अन्य सभी कार्यकाणी के नवीन सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की।

पांच दिवसीय श्री हरि कथा का समापन

भक्त नामदेव, ज्ञानदेव, निवृतिनाथ, सोपाननाथ, बहन मुक्ता बाई के जीवन पर प्रकाश डाला; साध्वी रंजीता भारती बोलीं- पूर्ण गुरु ही करा सकता है ईश्वर दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर मालपुरा गेट के निकट स्थित हरिहर मन्दिर (गुरुद्वारा) के पवित्र प्रांगण में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान जयपुर शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को पांच दिवसीय श्री हरि कथा के पांचवें दिन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान दीप प्रज्वलन भजन गायन के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ। इस अवसर पर दिव्यगुरु आशुतोष महाराज की शिष्या व कथा व्यास साध्वी रंजीता भारती ने भक्त नामदेव व ज्ञानदेव, निवृतिनाथ, सोपाननाथ और बहन मुक्ता बाई के जीवन पर प्रकाश डाला । अनादि काल से ईश्वर को प्रकट करने का एकमात्र साधन है ब्रह्मज्ञान। अर्थात जब हम पूर्ण गुरु के शरण में जाकर उस परम पावन कल्याणकारी ब्रह्मज्ञान को प्राप्त कर अपने अंतर्घट में ईश्वर का दर्शन करेंगे तो प्रभु हमारे एक पुकार में प्रकट होंगे। पूर्ण सदगुरु ब्रह्मज्ञान देकर हमें शाश्वत चार पदार्थ से साक्षात्कार करवाते है। वो चार पदार्थ है दिव्य दृष्टि द्वारा ईश्वर का दर्शन, अनहद नाद, अमृत का पान और शाश्वत नाम सुमिरन। इस दौरान साध्वी ने कहा कि यह संसार एक माया जिसे स्वयं ईश्वर ने बनाया है। माया से मुक्त होने का मात्र एक तरीका है ब्राह्म ज्ञान।

फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन की महिला राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित

पतंग्या अध्यक्षा, शहा महामंत्री मनोनीत

जयपुर. शाबाश इंडिया। फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी ने की। फैडरेशन के संस्थापक सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की इंदौर मध्यप्रदेश निवासी कौशल्या पतंग्या को राष्ट्रीय अध्यक्षा एवम सुजाता शहा को महामंत्री बनाया गया है। इसी क्रम मे डा. निधि जैन को राजस्थान, मधु कोठारी को मध्यप्रदेश, लता घी वाला को गुजरात, तनुजा शहा को महाराष्ट्र, श्वेता बंडी केलिफोर्निया व सुप्रिया दोशी बोस्टन को शेष भारत व एन आर आई प्रकोष्ठ की अध्यक्षा मनोनीत किया गया है। कोठिया ने बताया की सभी महिला अध्यक्ष अपने अपने प्रॉविंस की प्रदेश महिला कार्यकारिणी घोषित कर फेडरेशन मे महिला शक्ति को आगे बढ़ा समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगी । राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी ने सभी महिला प्रोविंस अध्यक्ष से मई माह मे अपनी कार्यकारिणी घोषित कर सूचित करने के निर्देश दिए हैं। फैडरेशन मे महिला सशक्तिकरण के ये प्रयास 31सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के मार्ग दर्शन मे सभी महिला संगठन प्रभारी संपादित करेंगे।

जैन मिलन महिला और जैन मिलन वर्धमान शाखा ने पशु पक्षियों के लिए की दाने पानी की व्यवस्था

मुरैना. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2550 वे निर्वाण वर्ष एवं जैन मिलन के स्थापना दिवस पर जैन मिलन महिला और जैन मिलन महिला वर्धमान शाखा मुरैना व्दारा जीव दया के उद्देश्य से पशु पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था कर ज्ञान तीर्थ पर गौ शाला में गायों को चारा खिलाया गया इससे पहले श्री भक्तामर का पाठ वाचन वीरांगना शालू जैन के निज निवास पर किया गया, आयोजन में सबसे पहले श्री महावीर प्रार्थना और णमोकार मंत्र के वाचन के बाद भक्तामर पाठ किया गया उसके बाद जैन मिलन महिला मुरैना की अध्यक्षा वीरांगना सपना जैन ने, भारतीय जैन मिलन के स्थापना दिवस पर सभी महिलाओं को पक्षियों के लिए दाना पानी हेतु सकोरे वितरण किए गए, संयोजिका सरिता जैन ने सभी महिलाओं को संकल्प दिलाया की हम सब अपने अपने घरों में नित्य नियम से पंक्षीयो.को दाना पानी रखेंगे और यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है इसके बाद जैन मिलन महिला वर्धमान शाखा ने ज्ञान तीर्थ पर गायों को चारा और पंक्षीयो के लिए दाना पानी रखा साथ ही सभी वीरांगना बहनों ने भक्तिभाव से नृत्य किये।

बच्चों को स्टेशनरी वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रेम महावीर मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा वरुण पत्र स्थित राजकीय विद्यालय में बच्चों को स्टेशनरी व अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष महेंद्र बख्शी ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा अपनी स्थापना के उद्देश्य के अनुरूप जन सेवा के अनेक कार्य भविष्य में किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर डॉ राजीव जैन, उर्मिला जैन, ममता जैन एवं विद्यालय प्रधानाध्यापक विनोद जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

जीवन में नैतिकता

नैतिक जीवन का आशय नीति के अनुसार जीवनयापन करना है। ऐसा तभी संभव है जब मनुष्य अपने अहंकार, स्वार्थ और अनावश्यक भय से मुक्त होकर अपने जीवन की साधना करे। मनुष्य का नैतिक गुण ही संपूर्ण मानवता का शृंगार है। किसी भी व्यक्ति को सही-गलत के मापदंड पर परखा जाता है। ये मापदंड ही मूल्य कहलाते हैं और ये मूल्य उसका धर्म कहलाता है। यानी धर्म का अभिप्राय मनुष्य के अपने मन के मुताबिक आचरण करना है। यह आचरण उसके नैतिक मूल्य हैं और इसी मापदंड पर उसे जांचा-परखा जाता है। मनुष्य के नैतिक गुणों का प्रभाव उसके समस्त क्रिया-कलापों पर पड़ता है और उसका संपूर्ण व्यक्तित्व इससे प्रभावित होता है। व्यक्ति की शिक्षा और उसके आसपास का परिवेश उसके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ता है। व्यक्ति को ऐसी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए जो न केवल उसका बौद्धिक विकास करे, बल्कि उसमें जिज्ञासा भी उत्पन्न करे। जिज्ञासा व्यक्ति को सत्य की खोज के लिए प्रेरित करती है और उसे आत्मज्ञान की ओर ले जाती है। अपनी अंतरात्मा की आवाज के अनुसार ही वह अपने कर्तव्यों का पालन करता है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि मनुष्य की अंतरात्मा जिस कार्य के लिए मना करे उसे कभी नहीं करना चाहिए। नैतिकतापूर्ण जीवन जीने वाला मनुष्य ही दूसरों के लिए आदर्श बन सकता है और ऐसे व्यक्ति सफलता को प्राप्त नहीं करते, बल्कि सफलता इन्हें प्राप्त करती है। नैतिकता से समाज और राष्ट्र की भी प्रगति होती है और जो मनुष्य नैतिकता से विमुख हो जाता है उसकी और उसके समाज की दुर्गति निश्चित है। नैतिक मूल्यों के अभाव में ही समाज में असंतोष फैलता है और अपराध होते हैं। इसके विपरीत जिस मनुष्य के जीवन में शिष्टाचार, सदाचार, अनुशासन, मर्यादा है उसके परिवार और देश में शांति रहेगी। महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस का कहना है कि यदि आपका चरित्र अच्छा है तो आपके परिवार में शांति रहेगी। यदि आपके परिवार में शांति रहेगी तो समाज में शांति रहेगी। यदि समाज में शांति रहेगी तो राष्ट्र में शांति रहेगी। हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने अहंकार व स्वार्थ को त्यागकर ईमानदारी, विनम्रता, त्याग, परोपकार जैसे गुणों को अपने जीवन में स्थान दे।

संपादकीय

संतुलित रुख अख्तियार करने की जरूरत

इसमें कोई दोराय नहीं कि अगर कोई व्यक्ति कानून के विरुद्ध काम करता है तो उस पर कार्रवाई होना चाहिए। मगर कानून को अमल में लाने वाली कोई एजंसी अगर अपने अधिकारों को असीमित मानने लगे और उसके रवैये से मनमानी का संकेत मिलने लगे तो सवाल उठना स्वाभाविक है। पिछले कुछ समय से प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की सक्रियता ने सबका ध्यान आकृष्ट किया है और यह धारणा बनी है कि भ्रष्टाचार में लिप्त

लोगों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आई है। मगर इसके साथ ही विपक्षी दलों ने कई बार सवाल उठाए हैं कि ईडी अपने अभियानों में सुविधा और आग्रहों के मुताबिक चुने हुए लोगों के खिलाफ कार्रवाई करती है और उसकी सक्रियता में एक खास तरह का आग्रह दिखता है। विपक्षी पार्टियों के आरोपों को यह मान कर नजरअंदाज कर दिया जा सकता कि वे अपने दल से संबंधित आरोपियों के बचाव में ईडी को कठघरे में खड़ा करती हैं। मगर यह भी सच है कि कई मौके पर खुद अदालतों की ओर से ईडी की कार्यशैली पर अंगुली उठाई गई है। सवाल है कि किसी कानून पर अमल को लेकर ईडी अगर ईमानदार है, तो बार-बार विपक्षी दलों से लेकर अदालतों तक की ओर से उसकी मंशा पर अंगुली क्यों उठ रही है ! बुधवार को नौकरी के बदले जमीन के आरोपों से जुड़े एक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट की एक विशेष अदालत ने ईडी को फटकार लगाई और उसकी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह एक जांच एजंसी के रूप में कानून के नियमों से बंधी है और वैसे आम नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं कर सकती, जो संदिग्ध तक नहीं हैं। जाहिर है, यह ईडी के कामकाज के तौर-तरीकों पर एक बार फिर गहरा सवालिया निशान है, जो उसकी साख को कसौटी पर रखता है। अगर इससे शासन के काम का एक ढांचा तैयार होता है तो उसका लोकतंत्र और जनता के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। विडंबना यह है कि ईडी के रवैये की वजह से पिछले कुछ समय से इस संबंध में कई सवाल उठे हैं। शायद इसी वजह से अदालत ने यह भी कहा कि इतिहास से कोई सबक सीखना है तो यह देखना चाहिए कि मजबूत नेता, कानून और एजेंसियां आमतौर पर उन्हीं नागरिकों को निशाना बनाती हैं, जिनकी रक्षा का वे संकल्प लेती हैं। इस टिप्पणी को जनता के अधिकार और राज्य के कर्तव्य के संदर्भ में देखा जा सकता है, जिसमें उम्मीद की जाती है कि लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं किया जाएगा। करीब एक वर्ष पहले सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी ईडी को यह सलाह दी गई थी कि वह अपनी कार्यशैली से भय का माहौल पैदा न करे। शीर्ष अदालत की टिप्पणी इस बात का इशारा थी कि एजंसी को राजनीतिक विरोधियों पर लगे आरोपों की जांच को लेकर संतुलित रुख अख्तियार करने की जरूरत है। आखिर ऐसी शिकायतों की नौबत क्यों आनी चाहिए कि किसी एजंसी के अधिकारियों के पेश आने का तरीका कई बार भयादोहन की तरह लगने लगता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कुंद हो गई हमारी सोच

भारत का आम चुनाव हो या अमेरिका का सोशल मीडिया की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। चुनाव प्रचार का तरीका बदलने की वजह से चुनाव प्रचार सोशल मीडिया के जरिए बहुत कम खर्च में हो जाता है, लेकिन इसी मीडिया के जरिए विवाद, झगड़े-फसाद और लोगों को गुमराह करने का काम भी खूब हो रहा है जिससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। युवा वर्ग पर सोशल मीडिया का ज्यादा असर हो रहा है, इसलिए इस पर नियंत्रण की बात भी कही जा रही है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सोशल मीडिया ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी अपनी बेबाक बात कहने, अपनी जरूरत की चीजों को जानने-समझने और किसी बात का समर्थन या विरोध करने का अवसर दिया है। आकड़ों के मुताबिक वर्तमान में भारत में 447 मिलियन से ज्यादा लोग सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले हैं। इसका जहां समाज पर सकारात्मक असर पड़ा है वहीं नकारात्मक असर की वजह से तमाम तरह की समस्याएं, बीमारियां, तनाव, हिंसा और झगड़े-फसाद भी बढ़े हैं। सर्वाधिक नकारात्मक असर युवा वर्ग पर पड़ रहा है। समय की बबार्दी, नकारात्मक बर्ताव, नकारात्मक सोच, रूढ़ियों और गंदी प्रवृत्तियों को बढ़ावा लगातार बढ़ावा मिल रहा है। गुलामी किस तरह व्यक्ति के मन, मस्तिष्क, धन और सोच को बदली है। आधुनिक तकनीक का चमत्कारी यंत्र मोबाइल की गुलामी से समझा जा सकता है। अपने और अपनों से दूरियां बढ़ाने में मोबाइल का असर इस कदर हुआ कि सामान्य व्यवहार, पढ़ने-पढ़ाने की आदत, सुनने-सुनाने का वक्त, सहजता जैसी जिंदगी की महत्त्वपूर्ण कवायदें भी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से गायब हो चुकी हैं। सोशल मीडिया सर्वेक्षण के आंकड़े बयां करते हैं कि पिछले दो दशक में सामाजिक सद्भावना में कमी आई है, अपसंस्कृति का लगातार विस्तार हुआ है, और मानव मूल्यों के प्रति लगाव कम हुआ है। पारिवारिक समरता, सामाजिक सदभावना और आपसी विश्वास में भी कमी आई है। यही वजह है परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों का बाजारीकरण हुआ जिससे बड़े- बुजुर्गों के प्रति बर्ताव और सद्भाव में कमी आई हैं। आंकड़े बयां करते हैं कि 2018-19 में फेसबुक, ट्वीटर समेत कई साइटों पर 3,245 आपत्तिजनक सामग्रियां मिलने की शिकायत की गई थीं, जिनमें से 2,662 सामग्रियों को हटा दिया गया था। इन सामग्रियों में ज्यादातर वे थीं जो धार्मिक भावनाओं को भड़काने और राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान का निषेध करने वाले कानूनों का उल्लंघन कर रही थीं। तब से पिछले पांच वर्षों में हजारों और आपत्तिजनक सामग्रियां सोशल मीडिया की साइटों पर डाली गई, इसका प्रमाण है यूनेस्को की वह रिपोर्ट जो सोशल मीडिया के असर का बयां करती है। सोशल मीडिया के जरिए किस तरह के अंधविश्वासों, पाखंडों, बुराइयों, नकारात्मक सोच को लगातार बढ़ावा मिल रहा है, इसकी जानकारी यूनेस्को की रिपोर्ट के जरिए देखी झ समझी जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया से लैंगिक रूढ़ियां और दकियानूसी सोच को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। खासकर लड़कियों की मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर नकारात्मक असर हो रहा है।

मुनिसुव्रतनाथ भगवान का जन्म कल्याणक मनाया, आज होगा महा मस्तिकाभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया। महल योजना स्थित दिगंबर जैन मंदिर के मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का जन्म और तप कल्याणक मनाया गया। प्रभु के अभिषेक शांति धारा के पश्चात महिला मंडल के द्वारा जन्मोत्सव पर भजन के द्वारा भक्ति रस की अविरल धारा प्रवाहित की गई। दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रातः श्री जी का महामस्तकाअभिषेक किया जाएगा।

वर्षीतप अराधको का साध्वी मंडल के सानिध्य मे अहिंसा भवन श्रीसंघ और महिला मंडल ने किया सम्मान

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वर्षीतप अराधको का साध्वी मंडल के सानिध्य मे अहिंसा भवन और महिला मंडल ने तपस्याथीयों के तप की अनुमोदना और स्वागत। शुक्रवार को शास्त्रीनगर अहिंसा भवन में दोपहर उपप्रवर्तनी मैनाकंवर विदुषी मधुकंवर आदि ठाणा के सानिध्य में वर्षीतप के तपस्याथीयों मे सुनीता झामड़,उषा बाबेल, पुष्पा बाबेल,इन्द्रा देसरड़ा,यशप्रभा,मैना बापना लाड़ मेहता,मंजू तातेड़,कुसुम चपलोत,ललिता पानगड़िया,अल्का बम्ब,लाड़ खारिवाल, विमला संचेती,सुधा मेहता,विमला खटोड़ एवं सुरजमल खारिवाल,राकेश लोढ़ा,दिनेश जैन, राजेन्द्र बाबेल आदि सभी का अहिंसा भवन के मुख्य मार्गदर्शक अशोक पोखरना,अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल,हेमन्त आंचलिया,सुशील चपलोत,विनोद बोहरा,ओमप्रकाश सिसोदिया मंत्री दिनेश मेहता अमरसिंह बाबेल आदि पदाधिकारियों ने आयोजित वर्षीतप अभिनन्दन समारोह मे वर्षीतप की साधना और आराधना करने वाले साधक साधिकाओ को चुंदडी माला और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया।इसदौरान साध्वी ज्योति प्रभा,डॉ. चिंतनश्री ने सम्बोधित करते हुयें कहा कि दृढ़ आत्मबल से देव,गुरु व धर्म की कृपा से ही वर्षीतप की कठिन तपस्या की जा सकती है और तप की जो अनुमोदना करता है वह भी अपने कर्मो की निर्जरा कर लेता है।

दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग बारां द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए लगाए परिंडे

बारां. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग बारां द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए लगाए परिंडे। संस्था अध्यक्ष चन्द्रकला सेठी के अनुसार दिगम्बर जैन महा समिति के तत्वावधान में कल नसिया जी परिसर शाहबाद रोड पर3 मूक पक्षियों के लिए मिट्टी के परिंडे बांधे गए जिससे वे ठंडा पानी पी सके। सचिव सरला जैन ने बताया की सदस्यों द्वारा शपथ ली कि उनमें नियमित पानी भरने के लिए कोई न कोई सदस्य अपनी जिम्मेदारी से जायेगे। मीडिया प्रभारी ललिता टोंग्या ने बताया कार्यक्रम में चन्द्रकला पाटनी सोनिया चाँदवाद, सुनीता पोरवाल, उषा बड़जात्या,संगीता बड़जात्या,कुसुम बज,मंजू सोनी व समाज के शिखरचंद जैन,महावीर बड़जात्या,वीरेंद्र बड़जात्या,सुरेन्द्र बज ने भी इस कार्य मे हिस्सा लेकर संस्था का सहयोग किया। आगे भी संस्था गर्मी को देखते हुए शहर के विभिन्न प्रांगण में परिंडे लगाएंगी।

भारतीय जैन मिलन जयपुर ने मनाया स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह

जयपुर.शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन जयपुर के महिला इकाई द्वारा आज दिनांक 2 मई 2024 गुरुवार को भारतीय जैन मिलन का स्थापना दिवस एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोहे श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर टोंक रोड जयपुर में धूमधाम से मनाया गया । भारतीय जैन मिलन के राजस्थान प्रदेश के मंत्री अशोक बाफना ने जैन मिलन के इतिहास के बारे में बताया तथा साथ ही नव निर्वाचित महिला इकाई को शपथ भी दिलाई। अध्यक्ष पद पर पूनम तिलक ,सचिव रचना बाकलीवाल , संयुक्त सचिव अंजना जैन, उपाध्यक्ष डॉली, कविता, रमिता, एवं सीमा धाड़ूंका कोषाध्यक्ष सीमा सांस्कृतिक मंत्री दीपिका अजमेरा प्रचार प्रसार मंत्री रचना वेद सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में निधि जैने प्रमुख सलाहकार के रूप में किरण बगड़ा रश्मि जैन,सुनीता जैन एवं आशा पाटनी ने शपथ ग्रहण की । तत्पश्चात महास्त्रोत भक्तांमर की 48 दीपकों से महाअर्चना की गई सभी ने धूमधाम से भक्तिपूर्वक नाचते गाते इस कार्यक्रमे में अपनी भागीदारी निभाई । प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश` बाफना ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष पूनम तिलक ने किया।

दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा पुष्कर आदि गौ शाला में सब्जियों का अर्पण

अजमेर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाटनी ने बताया कि गौ सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। संभाग अध्यक्ष रूपश्री जैन ने बताया कि जैन समाज के प्रतीक चिह्नों में दिखाया गया है कि भगवान महावीर के प्रभाव से गाय और शेर एक ही घाट पर पानी पीते थे, साथ ही उन्होंने बताया की गायो की सेवा करने से आत्मिक शान्ति मिलती है ,समिति की सदस्य श्रीमती कुसुम लता जैन के सहयोग से उनके स्व. पति श्री मुरारी लाल जी जैन की पुण्य स्मृति में 3 मई 2024, को पुष्कर आदि गौ शाला, जनाना रोड, अजमेर में गौ सेवा में सब्जियां अर्पण की गयी। जिसमें राजेंद्र पाटनी, मधु बिलाला, कुसुम लता, राजकुमार बिलाला, वी के जैन आदि उपस्थित रहे।

मंगल विहार जैन मंदिर में गुरु माँ का भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव गणिनी भूषण आर्यिका 105 गुरूमाँ विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन के दौरान त्रिवेणी नगर जैन समाज को पुण्य की दो विशेषताओं को समझाते हुए कहा कि - पुण्य का फल अरिहंत अवस्था है। पर एक पुण्य, पाप का अनुबंधन कराता है और एक पुण्य, पुण्य का अनुबंधन कराता है। पुण्य से साधन तो मिल जायेंगे परन्तु साधनों से पुण्य नहीं मिल पायेगे। पुण्य तो साधना से ही मिलेगा। यह भारत साधन प्रधान नहीं साधना प्रधान देश है अतः इंडिया नहीं भारत बोलो। मंगल विहार कालोनी जयपुर की समाज ने अल्प प्रवास हेतु पूज्य गुरुमाँ के चरणों में श्रीफल समर्पित किया। पूज्य गुरूमां की आहारचर्या गुरूभक्त रेणु जैन के निवास स्थान में निर्विघ्न सम्पन्न हुई। शाम 6 बजे आर्यिका संघ का मंगल विहार मंगल विहार कालोनी की तरफ हुआ । जहां भक्तों ने बड़े ही धुमधाम से गुरु माँ का नगर प्रवेश करवाया। हर घर के बाहर गुरु माँ के पाद - प्रक्षालन कर भक्तों गुरु माँ की भावभीनी अगवानी की। आगामी 4 मई को गणाचार्य गुरुवर विरागसागर जी महाराज का 62 वां अवतरण दिवस व गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी का 13 वां गणिनी पदारोहण दिवस मनाया जायेगा ।

परिंडे लगाकर 'जियो और जीने दो' और 'पक्षी बचाओ' का संदेश दिया

सीकर. शाबाश इंडिया। गर्मी के मौसम में, कई बार पक्षी भूख और प्यास से परेशान हो जाते हैं, और उड़ते हुए गिर जाते हैं, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। इस समस्या का समाधान करने के लिए, हर व्यक्ति को आगे आना चाहिए और अपने घर और कार्यस्थल पर पक्षियों के लिए खाने और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। प्रियंक जैन ने बताया कि गर्मी और लू ने हमारे शरीर से नमी को सोख लिया है। हम सभी अपने आप को बचाने के लिए विभिन्न उपाय कर रहे हैं। हम फ्रिज का ठंडा पानी पी रहे हैं, एयर कंडीशनर और कूलर का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन हमारे पशु और पक्षी पानी के लिए तरस रहे हैं साथ ही परिंडे लगाकर 'जियो और जीने दो' और 'पक्षी बचाओ' का संदेश दिया। इस क्रम शैतान सिंह काव्या आलोक काला प्रियंक जैन ने आज कच्ची बस्ती में करणी सेवा संस्थान के तत्वाधान में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए।

भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक पाठ संपन्न

सनावद. शाबाश इंडिया। जैन समाज में सामूहिक भक्तामर पाठ की परंपरा चली आ रही है। इस स्तोत्र में तीर्थंकरों के गुणों का स्तवन किया जाता है। गुरुवार को सत्येंद्र जैन, आशीष जैन ने भक्तामर स्त्रोत का पाठ कराया। भगवान आदिनाथ स्वामी के चित्र के समक्ष डॉ नरेन्द्र जैन भारती द्वारा दीप प्रज्वलन तथा महामंत्र णमोकार के उच्चारण के बाद पाठ का शुभारंभ हुआ। जिसमें राजेंद्र जैन महावीर, धीरेंद्र बाकलीवाल, शैलेंद्र जैन, राकेश जैन, प्रियम जैन, रुचि जैन, वीनस जैन, प्रिया जैन, सपना जैन, सरिता जैन, अनुपमा जैन, पलक जैन का सहयोग रहा।

रक्तदान शिविर आयोजन में सहयोग के लिए समाचार जगत परिवार का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति तथा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा दैनिक समाचार जगत के संपादक शैलेंद्र गोधा का आज स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया। सन्मति ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदिका ने बताया कि सन्मति ग्रुप द्वारा रीजन के तत्वावधान में लगाए गए 35 रक्तदान शिविरो व समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेंद्र के गोधा स्मृति तृतीय जीवन रक्षक सम्मान समारोह के आयोजन में समाचार जगत परिवार द्वारा दिए गए आर्थिक सहयोग के लिए स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि सन्मति ग्रुप द्वारा रीजन के तत्वावधान में महावीर जयंती से आदिनाथ जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत 35 रक्तदान शिविरो का आयोजन 63 संस्थाओं के सहयोग से किया गया जिसमे 1700 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। उल्लेखनीय है कि सभी शिविरो के मुख्य प्रायोजक आर के मार्बल ग्रुप , सह प्रायोजक ए आर एल इंफ्राटेक तथा दैनिक समाचार जगत परिवार थे। इनके सहयोग से सभी रक्तदाताओं को यातायात अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत आई एस आई मार्का हेलमेट स्मृति स्वरूप भेट किया गया। इस अवसर पर सन्मति ग्रुप के उपाध्यक्ष चक्रेश जैन भी उपस्थित थे।

मुनिसुव्रतनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया हर्षोल्लास के साथ

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में विराजमान बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आज कस्बे के मुनि सुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शनि अरिष्ट निवारक जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान का जयकारों के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्ल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजा बाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि प्रातः श्रीजी का अभिषेक, शांति धारा, अष्टद्वव्यों पूजा के बाद मूल नायक मुनिसुव्रतनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक करने हेतु लॉटरी के द्वारा चयन किया गया जिसका सोभाग्य महावीर प्रसाद ,अशोक कुमार, पंकज कुमार मोदी परिवार को प्राप्त हुआ , मूलनायक मुनिसुव्रतनाथ भगवान की बोली के माध्यम से शांति धारा करने का सोभाग्य नारायण लाल , महावीर प्रसाद , सौभागमल , मोहनलाल, सोहनलाल,प्रकाश चंद, अभिषेक, अर्चित, अभीक, कमला देवी ,सुमन, एवं अपूर्वा सिंघल परिवार फागी वालों को प्राप्त हुआ, तथा 1008 स्वर्ण कलशों से महामस्तकाभिषेक प्रतिदिन अभिषेक कताओं के द्वारा किया गया, मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में इससे पूर्व संध्या को डॉ सीमा दफ्तरी एण्ड पार्टी के द्वारा शानदार भक्ति संध्या एवं आरती हुई। कार्यक्रम में जन्म एवं तप कल्याणक के सभी कार्यक्रम बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज ने विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा सम्पन्न कराये।कार्यक्रम में कपूरचंद नला, मोहनलाल झंडा, भागचंद जैन टीबा वाले, मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल जयपुर, कैलाश पंसारी,रामस्वरूप मोदी, रामस्वरूप मंडावरा,कैलाश कासलीवाल, पंडित संतोष बजाज, सुरेश जैन मांदी भागचंद कासलीवाल,नरेंद्र कासलीवाल, महेंद्र कासलीवाल,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, रमेश बजाज, महावीर बजाज, शांतिलाल सेठी, शांतिलाल धमाना, महावीर मोदी, हनुमान कलवाड़ा, सौभाग मल सिंघल ,ओमप्रकाश कासलीवाल,हरकचंद झंडा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

नवग्रह जैन मंदिर वाटिका में हुए पंचामृत अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया। नवग्रह जैन मंदिर वाटिका में श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान के जन्म कल्याण महोत्सव पर दिनांक 3-5-24 शुक्रवार को पंचामृत अभिषेक प्रातः 08:30 बजे से किए गए।मनीष लोंग्या ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

देह का अंत और देहांत दोनों अलग अलग तथा स्वाध्याय है आत्मा की खुराक : आचार्य शशांक सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी -ज्योतिनगर में आचार्य शशांक सागर जी मुनिराज ससंघ द्वारा ग्रंथ वाचन, प्रवचन, स्वाध्याय व शंका समाधान आदि के माध्यम से नित्य धर्म की प्रभावना हो रही है ।प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला अनुसार आचार्य श्री ने शुक्रवार को अपनी देशना में कहा कि हर व्यक्ति जीवन में अपने आप को सुखी देखना चाहता है उसे दुख का सपना भी देखना अच्छा नहीं लगता है। सुखी जीवन के लिए निज को जानना जरूरी है, निज को जाने बिना मोक्ष पाना संभव नहीं है। इन सब के लिए स्वाध्याय की आवश्यकता है क्योंकि स्वाध्याय आत्मा की खुराक है ।जैसे कि भोजन के मीनू से पेट नहीं भरता अर्थात जिनवानी को देखने मात्र से स्वाध्याय नहीं हो सकता उसका अध्ययन करना ही होगा तथा अरिहंत की वाणी सुनाने वाले संतो का समागम करना होगा। उन्होंने विस्तार से समझाया की देह का अंत और देहांत दोनों अलग अलग है। देह की आसक्ति ही हमारे दुःखों का मूल कारण है। जिसकी अधिक आसक्ति है वह अधिक दुःखी है। आचार्य श्री के प्रवचन नित्य प्रातः 8.30 बजे होते है ।

भगवान मुनिसुब्रतनाथजी का जन्म एवं महावीर स्वामी का केवलज्ञान महोत्सव मनाया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई । भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी के जन्म कल्याणक एवं भगवान महावीर स्वामी जी के केवलज्ञान महोत्सव पर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने की भगवान शांतिनाथ जी एवं भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी की शांतिधारा करके पूजा अर्चना की। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि विश्व में शांति की कामना को लेकर निवाई शहर के प्राचीन जैन नसिंया मंदिर में शुक्रवार को सुबह किराणा मर्चेंट एसोसिएशन अध्यक्ष चेतन चंवरिया बंटी झांझरी नवीन खण्डवा दिलीप जैन गिर्राज चंवरिया अरविन्द जैन जम्बू भाणजा अजीत काला अंकेश जगतपुरा त्रिलोक रजवास हितेश छाबड़ा सहित कई श्रद्धालुओं ने बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी के जन्म कल्याणक एवं चौबिसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी जी के केवलज्ञान महोत्सव पर विशेष शांतिधारा करके आर्यिका श्रुतमति व सुबोध मति माताजी के समक्ष श्री फल चडाक र पूजा अर्चना की। इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ पदमप्रभु सुपार्श्वनाथ चंद्रप्रभु शांतिनाथ मुनिसुब्रतनाथ एवं चारों दिशाओं में पद्मासन जिन प्रतिमाओ का जिनाभिषेक करके महावीर स्वामी की विशेष पूजा अर्चना की। जौंला ने बताया कि बिचला जैन मंदिर में महेन्द्र संधी पदम पराणा जयकुमार जैन नरेंद्र संधी विमल जौंला एवं सुरेश जैन ने भी भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी की विशेष शांतिधारा एवं अभिषेक करके पूजा अर्चना की।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

जो समर्पण से मिल सकता, वो अकड़ने से कभी नहीं मिल सकता.. बड़ो के सामने बड़े बनोगे तो विरोध होगा और यदि छोटे बन जाओगे तो सब कुछ मिल जायेगा..!

प्रभु की छाँव और गुरू की ठाँव बड़े नसीबों से मिलती है। जिस पर प्रभु और गुरु कृपा बरस रही है, वो किस्मत का धनी है। अभागा वो नहीं जिस पर माँ बाप का साया नहीं है और ना वो अभागा है जिसके पास माया नहीं है, बल्कि सही अर्थों में वो अभागा है जिसके सिर पर प्रभु की कृपा और गुरू की छाया नहीं है। जिसकी जुबान पर प्रभु का नाम और गुरु का गुणानुवाद नहीं है या जिसके दिल में प्रभु की चाहत नहीं है और मन में गुरू की मूरत नहीं है, वो संसार का सबसे अभागा इंसान है।

बड़े-बुजुर्गों से केवल आशीषों की अपेक्षा रखो, उनसे मान सम्मान की अपेक्षा रखोगे तो टकराव होगा..

जिससे सबकी मानसिक अशान्ति भंग होगी...!!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com